

गुरुग्राम में कचरा संकट

चर्चा में क्यों?

गुरुग्राम नगर नगिम द्वारा वर्ष 2024 के सर्वेक्षण में शहर में लगभग 100 अवैध डंपिंग स्थलों की पहचान की गई है, जिनमें गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड के साथ अरावली सबसे अधिक प्रभावित है।

- वर्ष 2024 में अपशिष्ट संकट की घोषणा करने के बावजूद, अधिकारी 2021 से एक समर्पित अपशिष्ट संग्रह एजेंसी नियुक्त करने में विफल रहे हैं।

मुख्य बडि

- मुद्दे के बारे में:
 - लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान चर्चा के बावजूद अवैध डंपिंग का मुद्दा महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित करने में विफल रहा।
 - स्थिति बिगड़ने के कारण अब स्थानीय नेता स्पष्ट समाधान की मांग कर रहे हैं।
 - पर्यावरणवादी ने कार्रवाई की कमी की आलोचना करते हुए कहा कि गुरुग्राम एक विशाल कंक्रीट डंपयार्ड में बदल गया है।
 - अनियंत्रित मलबा डंपिंग के कारण हरति पट्टी, खाली स्थान और सड़कें अवरुद्ध हो रही हैं, जिससे गंभीर जलभराव हो रहा है।
- अरावली पर्वत श्रेणी
 - अरावली, पृथ्वी पर सबसे पुराना चलति पर्वत है। भूवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि यह तीन अरब साल पुराना है।
 - यह गुजरात से दिल्ली (राजस्थान और हरियाणा से होकर) तक 800 कमी. से अधिक तक फैला हुआ है।
 - अरावली पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी माउंट आबू पर स्थिति गुरु शखिर है।
- जलवायु पर प्रभाव:
 - अरावली पर्वतमाला का उत्तर-पश्चिम भारत और उससे आगे की जलवायु पर गहरा प्रभाव पड़ता है।
 - मानसून के दौरान, पर्वत शृंखला मानसून के बादलों को धीरे-धीरे पूर्व की ओर शमिला और नैनीताल की ओर ले जाती है, जिससे उप-हिमालयी नदियों तथा उत्तर भारतीय मैदानों को पोषण मलित है।
 - सर्दियों के महीनों के दौरान, यह सधु और गंगा की उपजाऊ जलोढ नदी घाटियों को मध्य एशिया से आने वाली कठोर ठंडी पश्चिमी हवाओं से बचाता है।